Male(Year 2017-2018)

Model: Y4

SrNo: 101-108-101-1036 / 112 Date: 05/01/2017

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
17/09/1950	जन्म तिथि	**17/09/2017**
रविवार	दिन	रविवार
घंटे 11:00:00	जन्म समय	15:14:52 घंटे
घटी 11:22:28	जन्म समय(घटी)	21:59:01 घटी
India	देश	India
Mehsanaa	स्थान	Mehsanaa
उत्तर 23:37:00	अक्षांश	23:37:00 उत्तर
पूर्व 72:28:00	रेखांश	72:28:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:40:08	स्थानिक संस्कार	-00:40:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:27:00	सूर्योदय	06:27:15
18:42:20	सूर्यास्त	18:41:32
23:10:07	चित्रपक्षीय अयनांश	24:06:06
वृश्चिक	लग्न	धनु
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
वृश्चिक	राशि	कर्क
मंगल	राशि–स्वामी	चन्द्र
अनुराधा	नक्षत्र	आश्लेषा
शनि	नक्षत्र स्वामी	बुध
2	चरण	**3**
विष्कुम्भ	योग	शिव
तैतिल	करण	गर
नी–नीरज	जन्म नामाक्षर	डे–डेम
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या
विप्र	वर्ण	विप्र
कीटक	वश्य	जलचर
मृग	योनि	मार्जार
देव	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
सर्प	वर्ग	श्वान
67	गत / तत्कालिक वर्ष	68

AstroDevam
Ground Floor-39(Gate No-3)
Ansal Fortune Arcade,
Sector-18, Noida-201301
Ph: +91-0120-4233339
Helpline: +91-9650511113
www.astrodevam.com

Male(Year 2017-2018)

जन्म – विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
विशाखा	4	01:09:41	वृश्चि		
उ०फाल्गुनी	2	00:35:30	कन्या		
अनुराधा	2	08:48:29	वृश्चि		
विशाखा	4	00:55:47	वृश्चि		
उ०फाल्गुनी	2	00:47:05	कन्या	व	अ
धनिष्ठा	4	06:35:41	कुंभ	व	
पू०फाल्गुनी	1	15:41:14	सिंह		
उ०फाल्गुनी	1	29:39:05	सिंह		अ
उ०भाद्रपद	1	05:12:36	मीन		
उ०फाल्गुनी	3	05:12:36	कन्या		
आर्द्रा	3	15:57:27	मिथु		

वर्ष – विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			धनु	29:22:54	1	उत्तराषाढ़ा
सूर्य			कन्या	00:35:33	2	उ०फाल्गुनी
चंद्र			कर्क	24:53:03	3	आश्लेषा
मंगल			सिंह	13:31:12	1	पू०फाल्गुनी
बुध		अ	सिंह	14:01:22	1	पू०फाल्गुनी
गुरु			तुला	01:03:43	3	चित्रा
शुक्र			सिंह	02:40:21	1	मघा
शनि		अ	वृश्चि	27:30:15	4	ज्येष्ठा
राहु			कर्क	29:55:16	4	आश्लेषा
केतु			मक	29:55:16	2	धनिष्ठा
मु			मिथु	01:09:41	3	मृगशिरा

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:06:06

लग्न–चलित

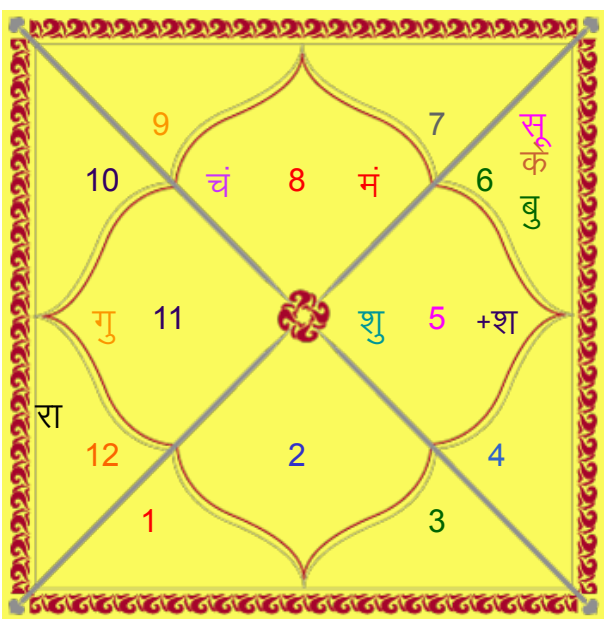

वर्ष लग्न कुंडली

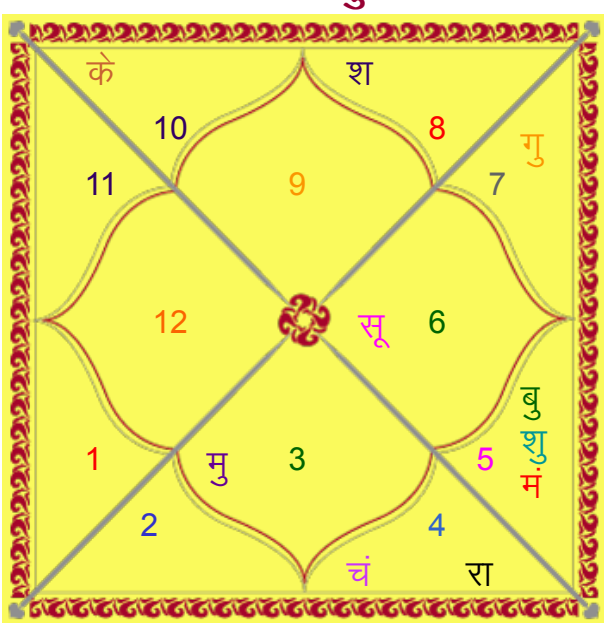

AstroDevam
Ground Floor-39(Gate No-3)
Ansal Fortune Arcade,
Sector-18, Noida-201301
Ph: +91-0120-4233339
Helpline: +91-9650511113
www.astrodevam.com

चन्द्र कुंडली

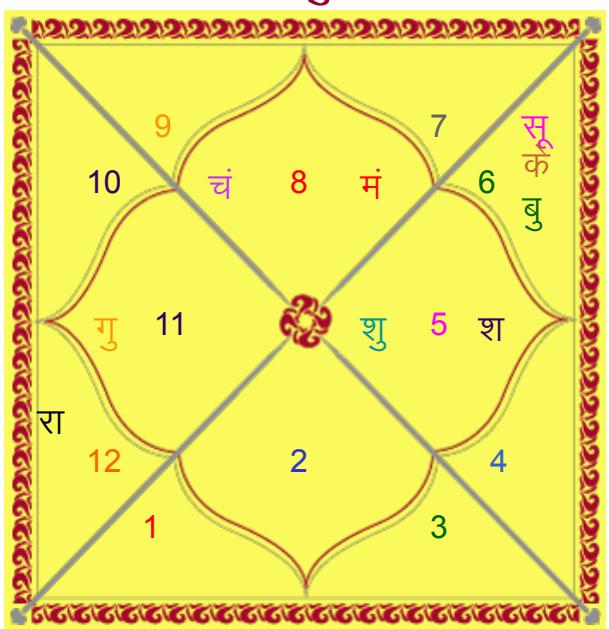

वर्ष चन्द्र कुंडली

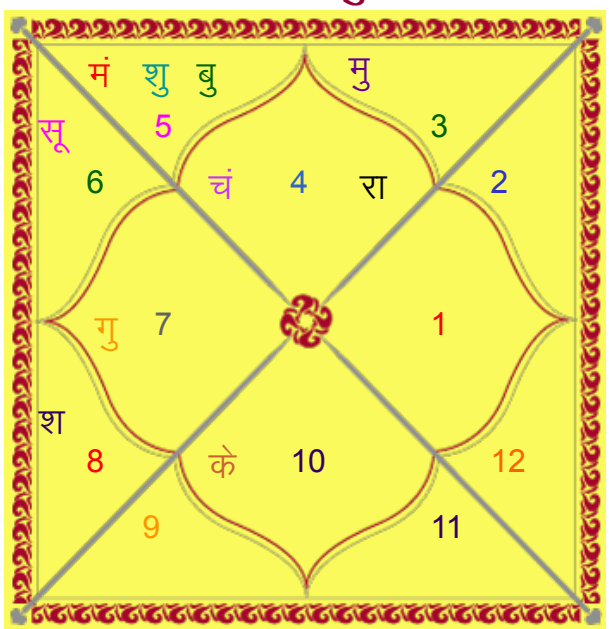

नवमांश कुंडली

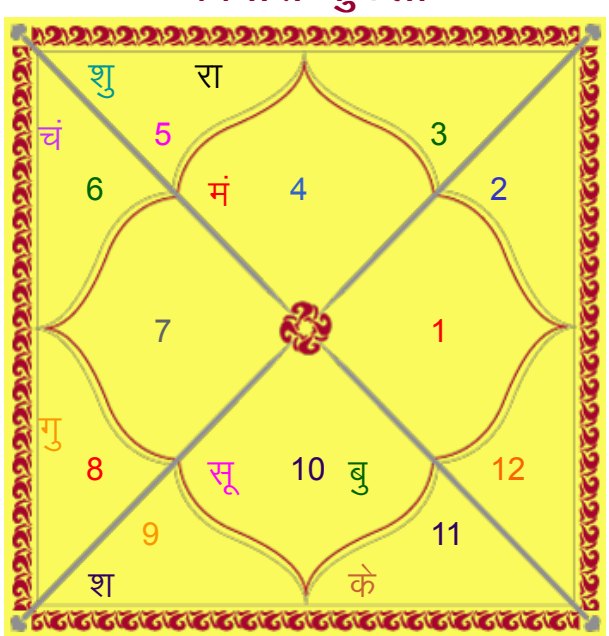

वर्ष नवमांश कुंडली

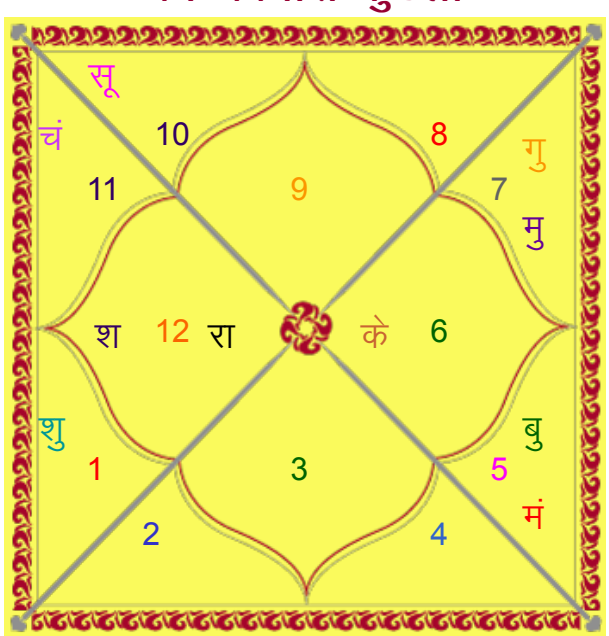

AstroDevam
Ground Floor-39(Gate No-3)
Ansal Fortune Arcade,
Sector-18, Noida-201301
Ph: +91-0120-4233339
Helpline: +91-9650511113
www.astrodevam.com

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	———	मित्र	सम	सम	सम	सम	मित्र
चन्द्र	मित्र	———	सम	सम	शत्रु	सम	मित्र
मंगल	सम	सम	———	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु
बुध	सम	सम	शत्रु	———	मित्र	शत्रु	शत्रु
गुरु	सम	शत्रु	मित्र	मित्र	———	मित्र	सम
शुक्र	सम	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र	———	शत्रु
शनि	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम	शत्रु	———

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	धनु	कन्या	कर्क	सिंह	सिंह	तुला	सिंह	वृश्चि
होरा	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह	सिंह	सिंह	सिंह
द्रेष्काण	कुंभ	सिंह	कर्क	धनु	धनु	कर्क	कुंभ	वृष
चतुर्थांश	कन्या	कन्या	मेष	वृश्चि	वृश्चि	तुला	सिंह	सिंह
पंचमांश	तुला	वृष	वृश्चि	धनु	धनु	मेष	मेष	वृश्चि
षष्ठांश	कन्या	तुला	कुंभ	मिथु	मिथु	मेष	मेष	मीन
सप्तमांश	मिथु	मीन	मिथु	वृश्चि	वृश्चि	तुला	सिंह	वृश्चि
अष्टमांश	धनु	वृष	तुला	वृश्चि	वृश्चि	मेष	सिंह	मीन
नवमांश	धनु	मक	कुंभ	सिंह	सिंह	तुला	मेष	मीन
दशमांश	कन्या	वृष	वृश्चि	धनु	धनु	तुला	सिंह	मेष
एकादशांश	कन्या	सिंह	मीन	वृश्चि	धनु	कन्या	कर्क	सिंह
द्वादशांश	वृश्चि	कन्या	मेष	मक	मक	तुला	कन्या	तुला

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	सम	स्व	सम	सम	मित्र	सम	शत्रु
होरा	मित्र	मित्र	सम	सम	सम	सम	मित्र
द्रेष्काण	स्व	स्व	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चतुर्थांश	सम	सम	स्व	शत्रु	मित्र	सम	मित्र
पंचमांश	सम	सम	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु
षष्ठांश	सम	मित्र	शत्रु	स्व	मित्र	शत्रु	सम
सप्तमांश	सम	सम	स्व	शत्रु	मित्र	सम	शत्रु
अष्टमांश	सम	सम	स्व	शत्रु	मित्र	सम	सम
नवमांश	मित्र	मित्र	सम	सम	मित्र	शत्रु	सम
दशमांश	सम	सम	मित्र	मित्र	मित्र	सम	शत्रु
एकादशांश	स्व	शत्रु	स्व	मित्र	मित्र	सम	मित्र
द्वादशांश	सम	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु
शुभ	4	5	7	5	10	0	3
सम	8	6	3	3	1	7	3
अशुभ	0	1	2	4	1	5	6
कुल	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	5	0	5
द्वितीय बल	0	5	0	0	0	0	0
तृतीय बल	5	5	0	5	5	5	0
चतुर्थ बल	5	0	5	0	5	0	0
कुल	10	10	5	5	15	5	5
बल	**सामान्य**	**सामान्य**	**क्षीण**	**क्षीण**	**बली**	**क्षीण**	**क्षीण**

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	15.00	30.00	15.00	15.00	22.50	15.00	7.50
उच्च बल	4.38	10.90	1.72	16.56	10.44	6.04	15.83
हददा बल	7.50	3.75	3.75	3.75	7.50	11.25	15.00
द्रेष्काण	10.00	10.00	7.50	7.50	2.50	2.50	2.50
नवमांश	3.75	3.75	2.50	2.50	3.75	1.25	2.50
कुल	40.63	58.40	30.47	45.31	46.69	36.04	43.33
विंशोपक	10.16	14.60	7.62	11.33	11.67	9.01	10.83
बल	**शुभ**	**शुभ**	**सामान्य**	**शुभ**	**शुभ**	**सामान्य**	**शुभ**

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	मंगल	7.62	अतिशुभ	
वर्ष लग्नाधिपति	गुरु	11.67	शुभ	
मुन्था लग्नाधिपति	बुध	11.33	अतिशुभ	**बुध**
दिवापति	बुध	11.33	अतिशुभ	
त्रिराशिपति	शनि	10.83	दृष्टि नहीं	

सहम

सहम जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रदर्शित करने वाली विशेष स्थिति या बिन्दु है। ग्रह या भावों के विपरीत सहम जीवन की एक ही घटना से संबंध रखता है। आचार्य नीलकंठ के अनुसार सहम 50 हैं। यदि सहम और इसका स्वामी शुभ हो या शुभदृष्ट हो तो यह सांकेतिक घटना के लिए शुभ फल प्रदान करता है। ताजिक शास्त्र के अनुसार किसी भी घटना की अवधि को इसकी स्थिति, स्वामी तथा उस राशि की स्थिति से ज्ञात किया जाता है जिसमें यह स्थित है। नीचे सहमों की गणना करके उनकी संभावित तिथियां दी गई हैं जो अग्रिम फलादेश में सहायक सिद्ध हो सकेंगी।

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
पुण्य	वृश्चिक	23:40:23	मंगल	30/11/2017
गुरु	मीन	05:05:24	गुरु	10/03/2018
ज्ञान	मीन	05:05:24	गुरु	10/03/2018
यश	वृश्चिक	06:46:13	मंगल	17/11/2017
मित्र	धनु	14:05:21	गुरु	16/11/2017
माहात्म्य	वृष	09:32:05	शुक्र	16/07/2018
आशा	वृष	24:12:47	शुक्र	01/08/2018
समर्थ	मीन	16:55:24	गुरु	24/03/2018
भातृ	वृश्चिक	02:56:22	मंगल	14/11/2017
गौरव	वृश्चिक	06:46:13	मंगल	17/11/2017
राजा	मेष	26:17:35	मंगल	22/06/2018
पितृ	मेष	26:17:35	मंगल	22/06/2018
मातृ	धनु	21:35:35	गुरु	22/11/2017
सुत	मेष	05:33:34	मंगल	30/05/2018
जीव	मीन	25:49:25	गुरु	03/04/2018
अम्बु	धनु	21:35:35	गुरु	22/11/2017
कर्म	धनु	28:52:44	गुरु	28/11/2017
रोग	मिथुन	03:52:44	बुध	08/08/2018
कामदेव	तुला	23:12:13	शुक्र	17/11/2017
कलि	मीन	16:55:24	गुरु	24/03/2018
क्षेम	मीन	16:55:24	गुरु	24/03/2018
शास्त्र	मिथुन	17:34:50	बुध	23/08/2018
बन्धु	कुम्भ	18:31:13	शनि	15/12/2017
बंधक	धनु	10:14:35	गुरु	12/11/2017
मृत्यु	मकर	06:41:38	शनि	24/10/2017

सहम

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
परदेश	कुम्भ	24:07:30	शनि	21/12/2017
अर्थ	मीन	05:57:05	गुरु	11/03/2018
परदारा	धनु	01:27:42	गुरु	05/11/2017
अन्यकर्म	सिंह	26:45:42	सूर्य	22/09/2018
वणिक	धनु	10:14:35	गुरु	12/11/2017
कार्यसिद्धि	धनु	10:56:03	गुरु	13/11/2017
विवाह	कन्या	04:33:00	बुध	05/10/2017
प्रसूति	मीन	16:25:15	गुरु	23/03/2018
संताप	वृश्चिक	06:41:38	मंगल	17/11/2017
श्रद्धा	धनु	18:32:03	गुरु	19/11/2017
प्रीति	मेष	10:47:54	मंगल	05/06/2018
बल	वृश्चिक	06:46:13	मंगल	17/11/2017
देह	वृश्चिक	06:46:13	मंगल	17/11/2017
जाडय	मिथुन	00:02:19	बुध	04/08/2018
व्यापार	धनु	28:52:44	गुरु	28/11/2017
जलपतन	मिथुन	00:02:19	बुध	04/08/2018
शत्रु	कन्या	15:23:51	बुध	15/10/2017
शौर्य	वृष	09:32:05	शुक्र	16/07/2018
उपाय	मीन	25:49:25	गुरु	03/04/2018
दरिद्रता	वृश्चिक	23:40:23	मंगल	30/11/2017
गुरुता	सिंह	08:47:21	सूर्य	04/09/2018
जलपथ	सिंह	16:52:39	सूर्य	12/09/2018
बंधन	धनु	25:33:02	गुरु	25/11/2017
कन्या	कुम्भ	07:10:12	शनि	02/12/2017
अश्व	कुम्भ	01:50:49	शनि	26/11/2017

वर्ष त्रिपताकी कुंडली

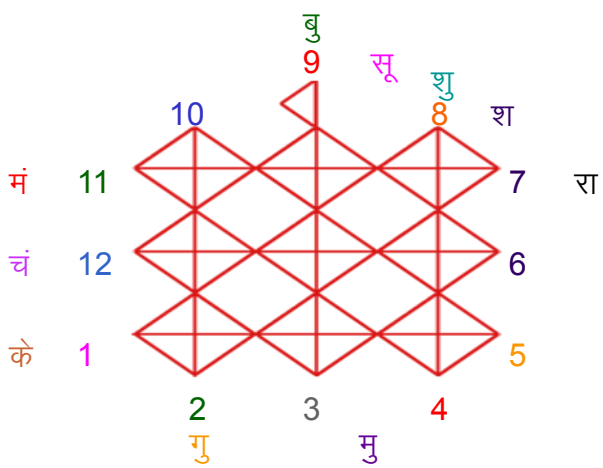

AstroDevam
Ground Floor-39(Gate No-3)
Ansal Fortune Arcade,
Sector-18, Noida-201301
Ph: +91-0120-4233339
Helpline: +91-9650511113
www.astrodevam.com

पात्यंश दशा

सूर्य 0 वर्ष		गुरु 0 वर्ष		शुक्र 0 वर्ष		मंगल 0 वर्ष		बुध 0 वर्ष	
17/09/2017		25/09/2017		30/09/2017		20/10/2017		04/03/2018	
25/09/2017		30/09/2017		20/10/2017		04/03/2018		10/03/2018	
	17/09/2017	गुरु	25/09/2017	शुक्र	01/10/2017	मंगल	09/12/2017	बुध	04/03/2018
	17/09/2017	शुक्र	25/09/2017	मंगल	09/10/2017	बुध	11/12/2017	चंद्र	07/03/2018
शुक्र	18/09/2017	मंगल	27/09/2017	बुध	09/10/2017	चंद्र	30/01/2018	शनि	07/03/2018
मंगल	21/09/2017	बुध	27/09/2017	चंद्र	17/10/2017	शनि	11/02/2018	लग्न	08/03/2018
बुध	21/09/2017	चंद्र	29/09/2017	शनि	18/10/2017	लग्न	20/02/2018	सूर्य	08/03/2018
चंद्र	23/09/2017	शनि	30/09/2017	लग्न	20/10/2017	सूर्य	23/02/2018	गुरु	08/03/2018
शनि	24/09/2017	लग्न	30/09/2017	सूर्य	20/10/2017	गुरु	25/02/2018	शुक्र	08/03/2018
लग्न	25/09/2017	सूर्य	30/09/2017	गुरु	20/10/2017	शुक्र	04/03/2018	मंगल	10/03/2018

चंद्र 0 वर्ष		शनि 0 वर्ष		लग्न 0 वर्ष		लग्न 0 वर्ष		लग्न 0 वर्ष	
10/03/2018		23/07/2018		25/08/2018		25/08/2018		25/08/2018	
23/07/2018		25/08/2018		17/09/2018		17/09/2018		17/09/2018	
चंद्र	29/04/2018	शनि	26/07/2018	लग्न	27/08/2018	लग्न	27/08/2018	लग्न	27/08/2018
शनि	11/05/2018	लग्न	28/07/2018	सूर्य	27/08/2018	सूर्य	27/08/2018	सूर्य	27/08/2018
लग्न	20/05/2018	सूर्य	29/07/2018	गुरु	27/08/2018	गुरु	27/08/2018	गुरु	27/08/2018
सूर्य	23/05/2018	गुरु	30/07/2018	शुक्र	29/08/2018	शुक्र	29/08/2018	शुक्र	29/08/2018
गुरु	25/05/2018	शुक्र	31/07/2018	मंगल	06/09/2018	मंगल	06/09/2018	मंगल	06/09/2018
शुक्र	01/06/2018	मंगल	12/08/2018	बुध	07/09/2018	बुध	07/09/2018	बुध	07/09/2018
मंगल	21/07/2018	बुध	13/08/2018	चंद्र	15/09/2018	चंद्र	15/09/2018	चंद्र	15/09/2018
बुध	23/07/2018	चंद्र	25/08/2018	शनि	17/09/2018	शनि	17/09/2018	शनि	17/09/2018

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

सूर्य 0 वर्ष		चंद्र 0 वर्ष		मंगल 0 वर्ष		राहु 0 वर्ष		गुरु 0 वर्ष	
17/09/2017		05/10/2017		05/11/2017		26/11/2017		20/01/2018	
05/10/2017		05/11/2017		26/11/2017		20/01/2018		10/03/2018	
सूर्य	18/09/2017	चंद्र	08/10/2017	मंगल	06/11/2017	राहु	04/12/2017	गुरु	26/01/2018
चंद्र	20/09/2017	मंगल	10/10/2017	राहु	09/11/2017	गुरु	12/12/2017	शनि	03/02/2018
मंगल	21/09/2017	राहु	14/10/2017	गुरु	12/11/2017	शनि	20/12/2017	बुध	10/02/2018
राहु	23/09/2017	गुरु	18/10/2017	शनि	15/11/2017	बुध	28/12/2017	केतु	13/02/2018
गुरु	26/09/2017	शनि	23/10/2017	बुध	19/11/2017	केतु	31/12/2017	शुक्र	21/02/2018
शनि	29/09/2017	बुध	27/10/2017	केतु	20/11/2017	शुक्र	09/01/2018	सूर्य	23/02/2018
बुध	01/10/2017	केतु	29/10/2017	शुक्र	23/11/2017	सूर्य	12/01/2018	चंद्र	27/02/2018
केतु	02/10/2017	शुक्र	03/11/2017	सूर्य	24/11/2017	चंद्र	17/01/2018	मंगल	02/03/2018
शुक्र	05/10/2017	सूर्य	05/11/2017	चंद्र	26/11/2017	मंगल	20/01/2018	राहु	10/03/2018

शनि 0 वर्ष		बुध 0 वर्ष		केतु 0 वर्ष		शुक्र 0 वर्ष		सूर्य 0 वर्ष	
10/03/2018		06/05/2018		27/06/2018		19/07/2018		17/09/2018	
06/05/2018		27/06/2018		19/07/2018		17/09/2018		00/00/0000	
शनि	19/03/2018	बुध	14/05/2018	केतु	28/06/2018	शुक्र	29/07/2018	सूर्य	17/09/2018
बुध	27/03/2018	केतु	17/05/2018	शुक्र	02/07/2018	सूर्य	01/08/2018		00/00/0000
केतु	30/03/2018	शुक्र	25/05/2018	सूर्य	03/07/2018	चंद्र	06/08/2018		00/00/0000
शुक्र	09/04/2018	सूर्य	28/05/2018	चंद्र	05/07/2018	मंगल	09/08/2018		00/00/0000
सूर्य	12/04/2018	चंद्र	01/06/2018	मंगल	06/07/2018	राहु	18/08/2018		00/00/0000
चंद्र	17/04/2018	मंगल	04/06/2018	राहु	09/07/2018	गुरु	27/08/2018		00/00/0000
मंगल	20/04/2018	राहु	12/06/2018	गुरु	12/07/2018	शनि	05/09/2018		00/00/0000
राहु	29/04/2018	गुरु	19/06/2018	शनि	15/07/2018	बुध	14/09/2018		00/00/0000
गुरु	06/05/2018	शनि	27/06/2018	बुध	19/07/2018	केतु	17/09/2018		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

चंद्र - शनि - सूर्य	
28/12/2016 04:08	
26/01/2017 02:06	
सूर्य	29/12/2016 14:50
चंद्र	01/01/2017 00:40
मंगल	02/01/2017 17:08
राहु	07/01/2017 01:14
गुरु	10/01/2017 21:46
शनि	15/01/2017 11:39
बुध	19/01/2017 13:58
केतु	21/01/2017 06:26
शुक्र	26/01/2017 02:06

चंद्र - शनि - चंद्र	
26/01/2017 02:06	
15/03/2017 06:44	
चंद्र	30/01/2017 02:29
मंगल	01/02/2017 21:58
राहु	09/02/2017 03:27
गुरु	15/02/2017 13:40
शनि	23/02/2017 04:48
बुध	02/03/2017 00:39
केतु	04/03/2017 20:08
शुक्र	12/03/2017 20:54
सूर्य	15/03/2017 06:44

चंद्र - शनि - मंगल	
15/03/2017 06:44	
18/04/2017 00:22	
मंगल	17/03/2017 05:57
राहु	22/03/2017 07:24
गुरु	26/03/2017 19:21
शनि	01/04/2017 03:33
बुध	05/04/2017 22:15
केतु	07/04/2017 21:29
शुक्र	13/04/2017 12:25
सूर्य	15/04/2017 04:54
चंद्र	18/04/2017 00:22

चंद्र - शनि - राहु	
18/04/2017 00:22	
13/07/2017 18:17	
राहु	01/05/2017 00:39
गुरु	12/05/2017 14:15
शनि	26/05/2017 07:53
बुध	07/06/2017 14:49
केतु	12/06/2017 16:16
शुक्र	27/06/2017 03:15
सूर्य	01/07/2017 11:21
चंद्र	08/07/2017 16:51
मंगल	13/07/2017 18:17

चंद्र - शनि - गुरु	
13/07/2017 18:17	
28/09/2017 20:53	
गुरु	24/07/2017 01:02
शनि	05/08/2017 06:03
बुध	16/08/2017 04:13
केतु	20/08/2017 16:10
शुक्र	02/09/2017 12:36
सूर्य	06/09/2017 09:08
चंद्र	12/09/2017 19:21
मंगल	17/09/2017 07:18
राहु	28/09/2017 20:53

चंद्र - बुध - बुध	
28/09/2017 20:53	
11/12/2017 04:11	
बुध	09/10/2017 06:07
केतु	13/10/2017 12:45
शुक्र	25/10/2017 17:58
सूर्य	29/10/2017 09:56
चंद्र	04/11/2017 12:32
मंगल	08/11/2017 19:10
राहु	19/11/2017 19:03
गुरु	29/11/2017 13:38
शनि	11/12/2017 04:11

चंद्र - बुध - केतु	
11/12/2017 04:11	
10/01/2018 08:35	
केतु	12/12/2017 22:26
शुक्र	17/12/2017 23:10
सूर्य	19/12/2017 11:24
चंद्र	21/12/2017 23:46
मंगल	23/12/2017 18:01
राहु	28/12/2017 06:41
गुरु	01/01/2018 07:16
शनि	06/01/2018 01:58
बुध	10/01/2018 08:35

चंद्र - बुध - शुक्र	
10/01/2018 08:35	
06/04/2018 14:20	
शुक्र	24/01/2018 17:33
सूर्य	29/01/2018 01:02
चंद्र	05/02/2018 05:31
मंगल	10/02/2018 06:15
राहु	23/02/2018 04:43
गुरु	06/03/2018 16:41
शनि	20/03/2018 08:23
बुध	01/04/2018 13:36
केतु	06/04/2018 14:20

चंद्र - बुध - सूर्य	
06/04/2018 14:20	
02/05/2018 11:16	
सूर्य	07/04/2018 21:23
चंद्र	10/04/2018 01:08
मंगल	11/04/2018 13:21
राहु	15/04/2018 10:29
गुरु	18/04/2018 21:17
शनि	22/04/2018 23:36
बुध	26/04/2018 15:34
केतु	28/04/2018 03:47
शुक्र	02/05/2018 11:16

चंद्र - बुध - चंद्र	
02/05/2018 11:16	
14/06/2018 14:08	
चंद्र	06/05/2018 01:30
मंगल	08/05/2018 13:52
राहु	15/05/2018 01:06
गुरु	20/05/2018 19:05
शनि	27/05/2018 14:57
बुध	02/06/2018 17:33
केतु	05/06/2018 05:55
शुक्र	12/06/2018 10:24
सूर्य	14/06/2018 14:08

चंद्र - बुध - मंगल	
14/06/2018 14:08	
14/07/2018 18:33	
मंगल	16/06/2018 08:24
राहु	20/06/2018 21:04
गुरु	24/06/2018 21:39
शनि	29/06/2018 16:21
बुध	03/07/2018 22:58
केतु	05/07/2018 17:14
शुक्र	10/07/2018 17:58
सूर्य	12/07/2018 06:11
चंद्र	14/07/2018 18:33

चंद्र - बुध - राहु	
14/07/2018 18:33	
30/09/2018 09:20	
राहु	26/07/2018 09:58
गुरु	05/08/2018 18:20
शनि	18/08/2018 01:17
बुध	29/08/2018 01:10
केतु	02/09/2018 13:50
शुक्र	15/09/2018 12:18
सूर्य	19/09/2018 09:26
चंद्र	25/09/2018 20:40
मंगल	30/09/2018 09:20

वर्ष योग

इक्कबाल योग

यदि वर्ष कुंडली में सभी ग्रह केन्द्र (1, 4, 7, 10) और पणफर (2, 5, 8, 11) स्थानों में हो तो इक्कबाल नामक योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इन्दुवार योग

वर्ष कुंडली में यदि सूर्यादि सभी ग्रह आपीक्लिम (3, 6, 9, 12) स्थानों में हो तो इन्दुवार योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इत्थशाल योग

यदि लग्नेश और अन्य ग्रह (कार्येश) की परस्पर दृष्टि हो तथा दोनों ग्रह दीप्तांशों के अन्तर्गत हों तो इत्थशाल योग होता है। यह तीन प्रकार का होता है। वर्तमान, सम्पूर्ण और भविष्यत। सम्पूर्ण इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगति ग्रह से 1 कला के अंतर पर हो। वर्तमान इत्थशाल में शीघ्रगति वाले ग्रह के अंश कम एवं मन्दगति ग्रह के अंश अधिक हों तथा दोनों की परस्पर दृष्टि हो। भविष्यत इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगति ग्रह राशि के अन्तिम अंश में हो तथा दूसरी राशि पर मन्द गति ग्रह हो परन्तु मध्यान्तर दीप्तांशो के अन्तर्गत हों।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इसराफ योग

यदि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगामी ग्रह से आगे हो तो इसराफ योग होता है यह इत्थशाल का विपरीत होता है।

इसराफ योग मन्दगति ग्रह गुरु (तुला 01:03:43), एवं शीघ्र गति ग्रह शुक्र (सिंह 02:40:21), के मध्य बन रहा है।

वर्ष कुंडली में यह योग सामान्यता अच्छा नहीं माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से इस समय आप किसी प्रतियोगी परीक्षा मुकद्दमे या चुनाव आदि में विशिष्ट सफलता अल्प मात्रा में ही प्राप्त करेंगे। साथ ही मामा से ऐसे समय में मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं। रोग या ऋृण मुक्ति भी इस वर्ष में मुश्किल से ही होगी। इसके अतिरिक्त आय स्रोतों में कमी आएगी तथा धनार्जन में व्यवधान उत्पन्न होंगे। साथ ही प्रभावशाली एवं महत्वपूर्ण लोगो से सम्पर्कों में कमी

आएगी तथा उनसे वांछित लाभ या सहयोग नहीं मिलेगा। इस वर्ष में आपकी महत्वाकाक्षांए अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगी। अतः धैर्य पूर्वक समय व्यतीत करें।

नक्त योग

यदि लग्नेश और कार्येश में दृष्टि न हो और उन दोनों के मध्य दीप्तांशों के अन्तर्गत ऐसा शीघ्रगामी ग्रह हो जो लग्नेश और कर्मेश को देखता हो तो एक ग्रह के तेज को लेकर दूसरों को देता है। इस योग में किसी तीसरे व्यक्ति की सहायता से कार्य बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

यमया योग

यदि लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि न हो और कोई मन्दगति वाला ग्रह दीप्ताशों के अन्तर्गत हो तथा दोनों को देखता हो तो वह शीघ्रगति ग्रह मन्दगति वाले ग्रह को दे देता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

मणऊ योग

यदि लग्नेश एवं कर्मेश में इत्थशाल हो किन्तु कोई पाप ग्रह दोनों को या एक को भी शत्रु दृष्टि से देखता हो तथा दीप्तांशों के अन्तर्गत हो तो मणऊ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कम्बूल योग

यदि लग्नेश और कार्येश में परस्पर इत्थशाल हो तथा इन दोनों में एक से भी चन्द्रमा इत्थशाल करता हो तो कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

गैरी कम्बूल योग

लग्नेश एवं कार्येश दोनों का इत्शाल हो परंतु चन्द्रमा की इन पर दृष्टि न हो किन्तु वही चन्द्रमा बलवान होकर अग्रिम राशि में जाकर किसी अन्य बलवान ग्रह से इत्थशाल करे तो गैरी कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

खल्लासर योग

लग्नेश और कार्येश का परस्पर इत्थशाल हो लेकिन शून्यमार्गी चन्द्रमा किसी से इत्थशाल न करता हो तो खल्लासर नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

रदद योग

यदि लग्नेश और कार्येश में कोई ग्रह अस्त नीच शत्रु क्षेत्री अथवा 6, 8, 12 में हो और परस्पर इत्थशाली हो, क्रूर ग्रह से युक्त या दृष्ट हो तो रदद नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुफालिकुत्थ योग

लग्नेश और कार्येश में इत्थशाल हो (1) इन दोनों में से मन्दगति वाला ग्रह अपनी उच्च राशि /स्वराशि /नवांश / द्रेष्काण आदि में बलवान हो तथा (2) शीघ्रगामी ग्रह अपनी उच्च स्वराशि में न हो तथा निर्बल हो तो दुफालिकुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुत्थकुत्थीर योग

यदि लग्नेश और कार्येश निर्बल होकर इत्थशाल करें और उनमें से एक किसी ग्रह से जो अपने उच्च या स्वगृह में बैठा हो, बलवान हो इत्थशाल करे तो दुत्थकुत्थीर योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

तम्बीर योग

इस योग में लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि नहीं होती किन्तु इन दोनों में से कोई एक ग्रह राशि के अन्त में होता है एवं आगामी राशि में स्वगृही ग्रह से दीप्तांशों के अन्तर्गत इत्थशाल करता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कुत्थ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश कार्येश बलवान हों तो कुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुरूफ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश निर्बल हो तो दुरूफयोग बनता है।

इस वर्ष आपकी वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश दुर्बल है अतः दुरूपयोग बन रहा है।

इस योग के प्रभाव इस वर्ष आपको स्त्री से पूर्ण सुख एवं सहयोग की प्राप्त होगी तथा दाम्पत्य जीवन सुखपूर्वक व्यतीत होगा। इस समय अविवाहितों के विवाह होने के भी प्रबल योग बनेंगे। साझेदार से इस समय आपको वांछित लाभ एवं सहयोग मिलेगा तथा जो लोग राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय है उन्हें राजनैतिक लाभ की अवश्य प्राप्ति होगी। कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता के लिए भी वर्ष श्रेष्ठ माना जाएगा। इस समय नौकरी में पदोन्नति होगी जिससे मान सम्मान एवं धन की वृद्धि होगी। व्यापारी वर्ग के लिए वर्ष उत्तम फलदायक सिद्ध होगा तथा उनके कार्य में विस्तार होगा जिससे आर्थिक सुदृढ़ता बनेगी। अतः वर्ष का लाभ उठाने के लिए सतत प्रयत्नशील रहना चाहिए।

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः–

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आपको शारीरिक कष्ट तथा परेशानियां प्राप्त होती रहेंगी फलतः शरीर में दुर्बलता रहेगी एवं स्वभाव में क्रोध की अधिकता रहेगी जिससे आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। मानसिक स्थिति भी इस समय आपकी अच्छी नहीं रहेगी तथा अशान्ति एवं व्याकुलता का भाव इसमें विद्य मान रहेगा। इस समय वाणी के दोष के कारण समाज में आपके अनादर की संभावना रहेगी। साथ ही बुद्धि भी मध्यम रहेगी तथा किए हुए कार्यो से आपको विशेष लाभ नहीं होगा तथा इनमें किंचित समस्याएं उत्पन्न होंगी। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों का अनुपालन भी अल्प मात्रा में ही करेंगे। इस समय संतति पक्ष से आपको कोई विशेष सु ख एवं सहयोग नहीं मिलेगा। साथ ही मित्र एवं संबंधियों से भी संबंधों में तनाव रहेगा तथा इनसे विशेष लाभ नहीं होगा ।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी एवं लाभ मार्ग भी अवरूद्ध रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में उन्नति में विलम्ब तथा समस्याएं रहेंगी। साथ ही उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न रहेंगे जिससे उनका सहयोग भी अल्प ही रहेगा। आर्थिक स्थिति भी इस समय मध्यम रहेगी तथा यदा कदा आपको इससे परेशानी रहेगी।इस समय किसी झूठी गवाही को देकर आप अनावश्यक कष्ट की भी प्राप्ति करेंगे तथा समाज में मान प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी कष्ट एवं दुःख प्राप्त हो सकता है। अतः ऐसे समय को आप शान्ति एवं संयम पूर्वक व्यतीत करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः–

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करते रहेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा अशान्ति एवं असन्तुष्टि का भाव मन में विद्यमान रहेगा। स्त्री एवं बन्धुवर्ग से आपको विशेष सुख एवं सहयोग अल्प ही मिलेगा तथा इनसे समय समय पर आपको अनावश्यक समस्याएं तथा परेशानियां उत्पन्न होंगी। शत्रु पक्ष से भी आप इस समय चिन्तित रहेंगे तथा आपके लिए वे उन्नति के मार्ग में व्यवधान उत्पन्न करते रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही लोभ एवं मोह में आपकी अधिक आसक्ति रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा उन्नति के मार्ग में व्यवधान होंगे अतः नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में वरिष्ठ सहयोगी अथवा उच्चाधिकारी वर्ग से सावधान रहें एवं उनकी आज्ञा का पालन करें ।साथ ही व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें एवं किसी नए कार्य पर व्यय न करें तथा प्रारंभ भी न करें अन्यथा असफलता ही अधिक मिलेगी। मित्र वर्ग से भी इस समय आप को विशेष सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे भी ऐसे समय में शत्रु की तरह की तरह व्यवहार करेंगे।मानसिक रूप से भी आप में दुर्बलता रहेगी तथा किसी प्रकार के बन्धन का भी भय लगा रहेगा।अतः ऐसे समय में आपको अत्यंत ही संयम एवं सावधानी पूर्वक अपना समय व्यतीत करना चाहिए।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थतियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः–

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङगोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आपको शारीरिक कष्ट की अनुभूति होगी। साथ ही मानसिक स्थिति भी सामान्य ही रहेगी परन्तु धार्मिक कार्य कलापों तथा वृतियों के सम्पन्न करने में विशेष रूचि का प्रदर्शन अल्प मात्रा में ही करेंगे। इस समय आपके सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सामान्य सफलता आर्जित होगी तथा आपको काफी परिश्रम एवं संघर्ष करना पड़ेगा।साथ ही आपके सौभाग्य में वृद्धि तो होगी परन्तु इसका प्रभाव अल्प मात्रा में रहेगा तथापि किसी महत्वपूर्ण कार्य में आपको सफलता मिल ही जाएगी। इस समय सामान्य रूप से आपको भौतिक सुख संसाधन भी प्राप्त होंगे परन्तु उनका उपभोग आप मध्यम रूप से कर सकेंगे। इसके साथ ही किसी शुभ या मांगलिक कार्य पर व्यय की भी संभावना रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष सामान्यतया शुभ रहेगा तथा परिश्रम पूर्वक आप इसमें उन्नति एवं लाभ अर्जित कर सकेंगे। नौकरी या राजनीति में भी आपके उन्नतिमार्ग प्रशस्त होंगे परन्तु इसमें किंचित विलम्ब की संभावना रहेगी। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप संबध स्थापित करेंगे तथा समय समय पर उनसे न्यूनाधिक सहयोग अर्जित करते रहेंगे जिससे आपके महत्वपूर्ण कार्य तथा मानसिक संकल्प पूर्ण होने की संभावना बनेगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग से भी आपको सामान्य सहयोग प्राप्त होगा। अतः यह वर्ष आपके लिए परिश्रम तथा संघर्ष पूर्ण होकर किंचित सुख प्रदान करने वाला सिद्ध होगा।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः–

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य सामान्य रहेगा तथा यदा कदा शारीरिक अस्वस्थता तथा परेशानी से आप कष्ट प्राप्त करेंगे। मानसिक स्थिति भी इस समय आपकी मध्यम ही रहेगी तथा समय समय पर मन में अशान्ति तथा व्याकुलता बनी रहेगी। मित्र एवं संबंधियों से इस वर्ष आपके संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा उनसे अल्प मात्रा में ही लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। संतति प क्ष से भी इस समय आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग नहीं मिलेगा। साथ ही अपने कार्य क्षेत्र में भी वे सामान्य उन्नति करेंगे फलतः उनसे आप चिन्तित तथा परेशान रहेंगे। इस समय भाग्यबल की भी अल्पता रहेगी अतः शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत ही परिश्रम एवं संघर्ष से सफल होंगे।साथ ही मानसिक संकल्प भी अल्प मात्रा में पूर्ण होंगे तथा सुख संसाधनों की भी आपको न्यूनाधिक प्राप्ति होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष विशेष शुभ नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में परिश्रम पूर्वक आपको उन्नति प्राप्त होगी साथ ही यदा कदा समस्याएं भी रहेगी तथा लाभ मार्ग में भी रूकावटें आएंगी। नौकरी या राजनीति में भी आपकी पदोन्नति में विलम्ब होगा तथा विरोधी पक्ष भी प्रबल रहेगा। इस समय आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे सन्तुष्ट नहीं रहेंगे अतः इनकी आपको उपेक्षा नहीं करनी चाहिए तथा विनम्रता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए। आर्थिक स्थिति भी इस समय सामान्य रहेगी तथा यदा कदा व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। साथ ही समाजिक मान प्रतिष्ठा में भी न्यूनता रहेगी। अतः ऐसे समय में सोच समझकर अपने कार्यो कलापों को सम्पन्न करें।

प्रथम मास

17/09/2017 15:14:52 से 18/10/2017 02:54:38 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	उत्तराषाढ़ा	29:22:54
सूर्य		कन्या	उ०फाल्गुनी	00:35:33
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	24:53:03
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	13:31:12
बुध		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:01:22
गुरु		तुला	चित्रा	01:03:43
शुक्र		सिंह	मघा	02:40:21
शनि		वृश्चिक	ज्येष्ठा	27:30:15
राहु		कर्क	आश्लेषा	29:55:16
केतु		मकर	धनिष्ठा	29:55:16
मुंथा		मिथुन	मृगशिरा	01:09:41

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

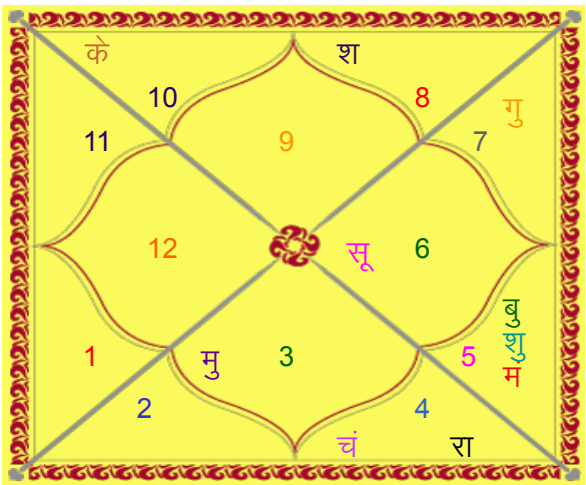

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय स्त्री पक्ष तथा बन्धु जनों से आप कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रु की तरफ से भी चिन्ता बनी रहेगी। आप में इस समय उत्साह की न्यूनता भी परिलक्षित होगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। आप शरीर से भी अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे तथा मन में लालच के भाव की भी प्रधानता होगी। साथ ही आप अपने शरीर का पूर्ण ध्यान नहीं रखेंगे। अपने बन्धुजनों से आपके सम्बन्धों में तनाव भी उत्पन्न होगा एवं मित्र भी शत्रुओं के समान व्यवहार करेंगे जिससे मानसिक तनाव बना रहेगा। इसके अतिरिक्त अन्य जनों से भी संघर्ष होने का भय बना रहेगा।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी समय समय पर घटित होंगे।अतः आप स्त्री से सुख प्राप्त करेंगे एवं बुद्धिमत्ता से अपने अधिकांश कार्यों को सम्पन्न करेंगे। साथ ही धर्मानुपालन में भी आप रूचिशील रहेंगे। अतः आपका यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

द्वितीय मास

18/10/2017 02:54:38 से 17/11/2017 02:27:07 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	मघा	08:45:49
सूर्य		तुला	चित्रा	00:35:33
चन्द्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	07:58:47
मंगल		कन्या	उ०फाल्गुनी	02:48:54
बुध		तुला	स्वाति	06:48:38
गुरु		तुला	स्वाति	07:29:03
शुक्र		कन्या	हस्त	10:12:12
शनि		वृश्चिक	ज्येष्ठा	29:17:21
राहु	व	कर्क	आश्लेषा	28:20:12
केतु	व	मकर	धनिष्ठा	28:20:12
मुंथा		मिथुन	मृगशिरा	03:39:41

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

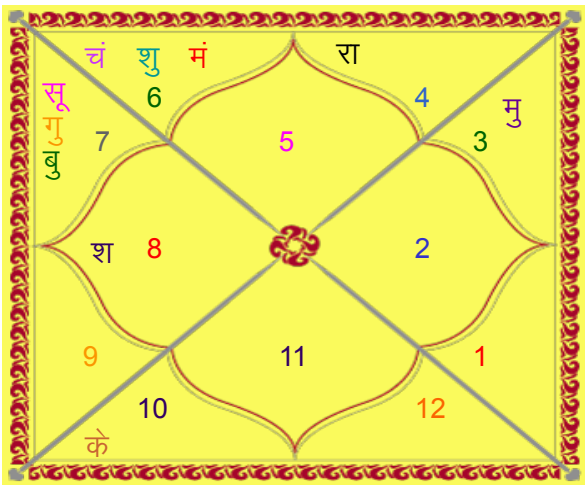

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नतापूर्व व्यतीत करेंगे। इस समय स्त्री वर्ग से आप पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे जिससे आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभार्जन करेंगे। आपका स्वास्थ्य इस मास अच्छा रहेगा तथा किसी भी प्रकार से शारीरिक या मानसिक अस्वस्थता नहीं रहेगी। अध्ययन या ज्ञानार्जन में आपकी रूचि बढ़ेगी तथा मित्र वर्ग से सम्बन्धों में मधुरता रहेगी एवं उनका पूर्ण सहयोग प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। साथ ही वांछित द्रव्य पदार्थों का उपभोग करके आप प्रसन्नता को प्राप्त करेंगेत संतति पक्ष से भी आपको शुभ फल ही प्राप्त होंगे तथा किसी प्रकार से चिन्ता नहीं रहेगी। मित्रों तथा सम्बन्धियों में आपकी प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी सफलता अर्जित होगी। फलतः आप आनंदपूर्वक इस मास को व्यतीत करेंगे।

इसके साथ ही आप पुत्र एवं स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा विद्याध्ययन में भी उन्नति होगी । इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्रों या द्रव्य आदि की भी आपको उपलब्धि हो सकती है। इस प्रकार आप शान्ति एवं प्रसन्नतापूर्वक इस मास को व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

तृतीय मास

17/11/2017 02:27:07 से 16/12/2017 16:58:02 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	उ०फाल्गुनी	29:21:35
सूर्य		वृश्चिक	विशाखा	00:35:30
चन्द्र		तुला	स्वाति	12:26:10
मंगल		कन्या	हस्त	21:44:16
बुध		वृश्चिक	ज्येष्ठा	21:15:40
गुरु		तुला	स्वाति	13:59:48
शुक्र		तुला	स्वाति	17:39:57
शनि		धनु	मूल	02:05:55
राहु	व	कर्क	आश्लेषा	25:07:25
केतु	व	मकर	धनिष्ठा	25:07:25
मुंथा		मिथुन	मृगशिरा	06:09:41

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

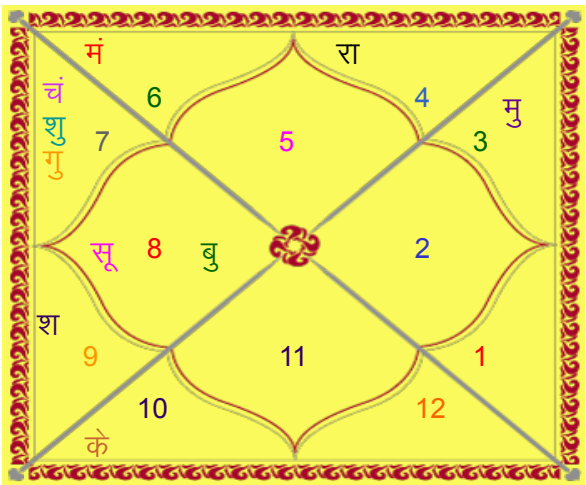

इस मास में आप शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे।इस समय स्त्री वर्ग से आपको पूर्ण लाभ होगा तथा सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप उचित लाभ प्राप्त कर सकते हैं।इस समय आपका स्वास्थ भी उत्तम रहेगा तथा मन से भी पूर्ण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे। ज्ञानार्जन में भी आप रूचिशील रहेंगे तथा इस क्षेत्र में आप सफलता भी प्राप्त करेंगे। साथ ही मित्र एवं बन्धुवर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल सिद्ध होंगे। आपको इस मास वांछित पदार्थों की भी प्राप्ति होगी तथा इनका आप प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगे। संतति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगे एवं उनसे पूर्ण सहयोग अर्जित करेंगे। समाज तथा समाजिक जनों से आप पूर्ण आदर एवं सम्मान प्राप्त करेंगे साथ ही विगत रूके हुए कार्यों में भी आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

इसके साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप गर्मी या पित्त दोष से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे तथा रक्त विकार का योग भी बनता है। अतः दुर्घटना आदि से भी सावधान रहें । इसके अतिरिक्त अग्नि आदि से भी धन हानि होने की सम्भावना है अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

चतुर्थ मास

16/12/2017 16:58:02 से 15/01/2018 03:43:48 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	रोहिणी	17:27:34
सूर्य		धनु	मूल	00:35:30
चन्द्र		वृश्चिक	अनुराधा	11:04:07
मंगल		तुला	स्वाति	10:21:15
बुध	व	वृश्चिक	ज्येष्ठा	22:42:19
गुरु		तुला	विशाखा	20:02:06
शुक्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	24:52:59
शनि		धनु	मूल	05:27:22
राहु	व	कर्क	आश्लेषा	22:08:38
केतु	व	मकर	श्रवण	22:08:38
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	08:39:41

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

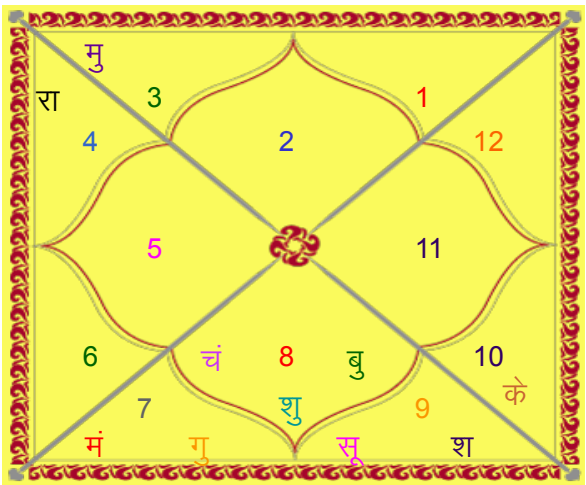

इस मास को आप सुख एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे इस समय आप अपने उत्साह एवं परिश्रम से धनार्जन करके अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ता प्रदान करेंगे। साथ ही समाज में आपका यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आप यथोचित आदर तथा सम्मान प्राप्त करेंगे तथा स्वयं भी उनको अपना वांछित सहयोग प्रदान करेंगे। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग का आपको पूर्ण संरक्षण तथा आश्रय प्राप्त होगा जिससे आप उचित लाभ एवं सहायता प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही इस महीने में आप मिष्ठान का भक्षण अधिक मात्रा में करेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ भी अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न एवं शान्त रहेंगे। साथ ही शत्रु वर्ग को पराजित करने में आप समर्थ रहेंगे तथा वे आपसे चिन्तित एवं भय की अनुभूति करेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्य के द्वारा भी आप धनार्जन करने में सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप अपने श्रेष्ठ जनों या उच्चाधिकारियों से सहयोग प्राप्त करेंगे जिससे आपके कार्यक्षेत्र में उन्नति या विस्तार होने की सम्भवाना बढ़ेगी। इस समय आप दूर समीप की यात्रा भी कर सकते हैं तथा नवीन वस्तुओं या वस्त्रों आदि की भी आपको प्राप्ति हो सकेगी।

पंचम् मास

15/01/2018 03:43:48 से 13/02/2018 16:51:47 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	08:40:25
सूर्य		मकर	उत्तराषाढ़ा	00:35:33
चन्द्र		धनु	मूल	07:08:17
मंगल		तुला	विशाखा	28:43:24
बुध		धनु	मूल	10:57:43
गुरु		तुला	विशाखा	25:00:41
शुक्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	01:56:17
शनि		धनु	मूल	08:53:17
राहु	व	कर्क	आश्लेषा	20:54:22
केतु	व	मकर	श्रवण	20:54:22
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	11:09:41

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

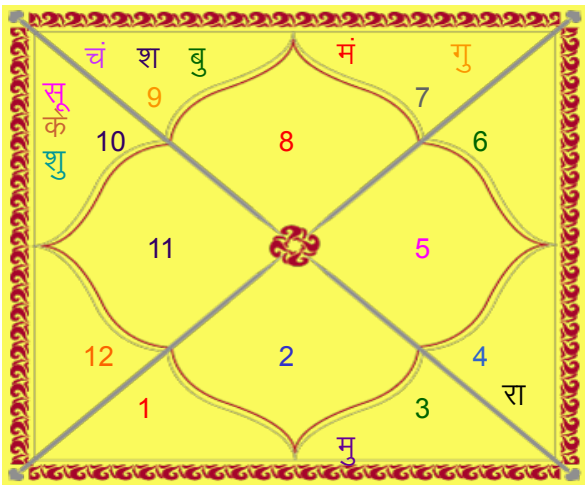

यह मास आपके लिए मध्यम रहेगा तथा शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को आप प्राप्त करेंगे। इस समय शत्रु पक्ष प्रबल होने से आप उनसे चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे साथ ही घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी। इस मास में धन का व्यय अधिक मात्रा में होगा फलतः आर्थिक रूप से भी आप परेशानी की अनुभूति करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा। इस समय आप शारीरिक रूप से भी अस्वस्थ रहेंगे एवं अन्य कई प्रकार से शारीरिक एवं मानसिक कष्टों को प्राप्त करेंगे। अतः शारीरिक बल की भी आप में न्यूनता रहेगी।इस मास में आप दूर या समीप की यात्रा भी कर सकते है। आपके सांसारिक कार्यो में कई प्रकार से विघ्न बाधाएं आएंगी अतः इन्हें समय पर पूर्ण करने में आप असमर्थ रहेंगे। साथ ही मुकद्दमें आदि कार्य में भी आपके धन का अपव्यय हो सकता है। अतः सोच समझकर बुद्धिमता से अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

परन्तु इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फलों को भी प्राप्त करेंगे।अतः आप स्त्री एवं पुत्र से सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा इस समय आप नवीन वस्त्र या अन्य द्रव्यों को भी अर्जित कर सकेंगे जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी।

षष्ठ मास

13/02/2018 16:51:47 से 15/03/2018 13:57:27 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	08:51:51
सूर्य		कुम्भ	धनिष्ठा	00:35:33
चन्द्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	03:59:36
मंगल		वृश्चिक	ज्येष्ठा	16:50:32
बुध		मकर	धनिष्ठा	27:27:24
गुरु		तुला	विशाखा	28:15:03
शुक्र		कुम्भ	शतभिषा	09:01:35
शनि		धनु	मूल	11:55:51
राहु		कर्क	आश्लेषा	20:52:54
केतु		मकर	श्रवण	20:52:54
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	13:39:41

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

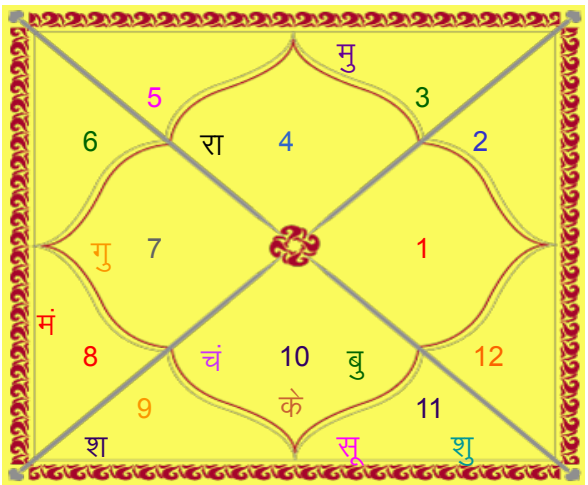

यह मास आपके लिए मध्यम रहेगा। अतः इस समय आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगे। आप का इस मास में व्ययाधिक्य रहेगा तथा दुष्ट मनुष्यों की संगति भी प्राप्त होगी। साथ ही स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा। आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस समय अपने ही परिश्रम से सिद्ध हो सकेंगे फिर भी आपको पूर्ण सन्तुष्टि नहीं मिलेगी । धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी धन हानि के योग बनेंगे। मित्रों एवं संबधियों के मध्य आपके संबधों में तनाव रहेगा तथा इनसे आवश्यक सुख तथा सहयोग भी नहीं मिलेगा। इस मास में आप जो भी कार्य प्रारंभ करेंगे उसमें अनावश्यक विध्न बाधाएं उत्पन्न होगी जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे। शत्रुओं से भी आपके हृदय में नित्य चिन्ता तथा भय का वातावरण बना रहेगा। साथ ही महत्वपूर्ण कार्यो में भी मनोवांछित सिद्धि नहीं मिलेगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। इससे आप अपने श्रेष्ठजनों तथा उच्चाधिकारियों से सहयोग अर्जित करेंगे तथा कार्य क्षेत्र में भी उन्नति के अवसर बनेंगे। इस मास में आपकी यात्रा भी हो सकती है। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्रों या वस्तुओं को भी आप अर्जित करने में सफल रहेंगे।

सप्तम् मास

15/03/2018 13:57:27 से 14/04/2018 22:42:19 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	पुनर्वसु	26:32:04
सूर्य		मीन	पू०भाद्रपद	00:35:30
चन्द्र		कुम्भ	धनिष्ठा	04:59:44
मंगल		धनु	मूल	04:32:41
बुध		मीन	रेवती	18:52:25
गुरु	व	तुला	विशाखा	29:03:18
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	16:17:07
शनि		धनु	पूर्वाषाढ़ा	14:07:10
राहु	व	कर्क	आश्लेषा	20:22:43
केतु	व	मकर	श्रवण	20:22:43
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	16:09:41

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

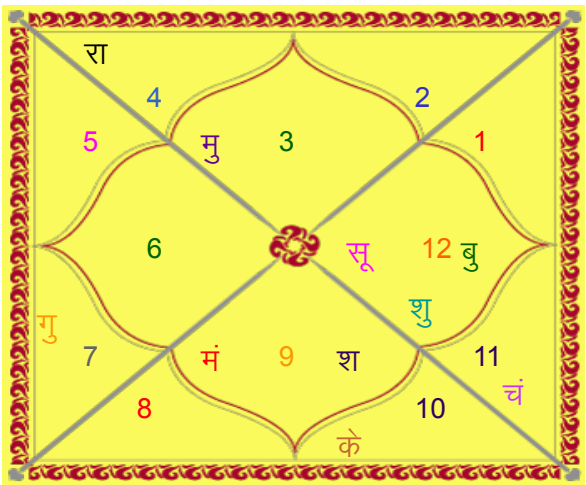

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे । इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रु पक्ष निर्बल रहेगा साथ ही लाभ मार्ग भी उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगे। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त अन्य स्रोतों से भी आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। फलतः आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। सामाजिक जनों तथा मित्रवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनके मध्य आपकी प्रतिष्ठा में आशातीत वृद्धि होगी।उच्च उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे तथा उनसे उचित सहयोग तथा लाभ भी अर्जित करेंगे। इस मास में आपका भाग्य प्रबल रहेगा तथा शुभ कार्य यथासमय सिद्ध होंगे। इसके अतिरिक्त समस्त सांसारिक कार्यो को सिद्ध करने में आप सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा स्त्री वर्ग से भी सहयोग एवं लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके आप सुख एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे । इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में आप रूचि रखेंगे तथा समाज एवं बन्धुवर्ग से यथोचित सम्मान भी प्राप्त करेंगे।

अष्टम् मास

14/04/2018 22:42:19 से 15/05/2018 19:46:16 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	20:09:29
सूर्य		मेष	अश्विनी	00:35:30
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	13:28:08
मंगल		धनु	पूर्वाषाढ़ा	21:17:08
बुध	व	मीन	उ०भाद्रपद	10:41:19
गुरु	व	तुला	विशाखा	27:07:54
शुक्र		मेष	भरणी	23:42:53
शनि		धनु	पूर्वाषाढ़ा	15:01:52
राहु	व	कर्क	आश्लेषा	18:07:30
केतु	व	मकर	श्रवण	18:07:30
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	18:39:41

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

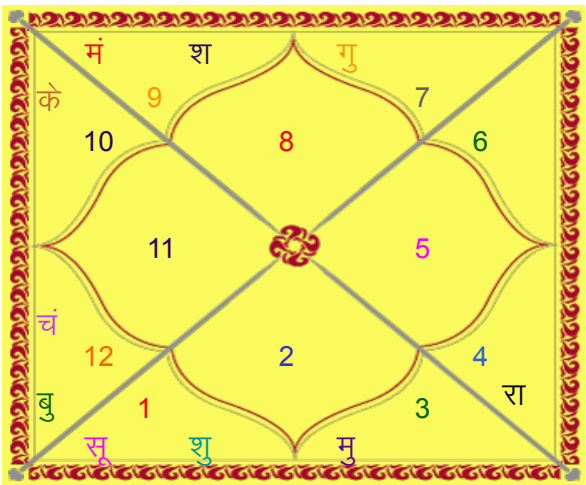

इस मास में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को अर्जित करेंगे। इस समय शत्रुपक्ष से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे एवं घर में किसी प्रकार की चोरी आदि होने की भी संभावना रहेंगी। इस समय आपका धन अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आप आर्थिक कष्ट प्राप्त कर सकते हैं। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का भाव ही अधिक रहेगा। इस मास में आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं विविध प्रकार से आप शारीरिक तथा मानसिक कष्टों को प्राप्त करेंगे जिससे शरीर में दुर्बलता स्पष्ट रूप से परिलक्षित होगी। इस समय आप दूर या समीप की कोई यात्रा भी सम्पन्न कर सकते हैं।आपके सांसरिक कार्य इस मास में अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी व्यय अधिक होगा। अतः सावधानी एवं सतर्कता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ आपको समय समय पर शुभफल भी प्राप्त होंगे।अतः आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं महिला सहयोगियों से भी लाभार्जन करेंगे। आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा एवं धनार्जन प्रचुर मात्रा में होता रहेगा।इस मास में धर्म का भी आप अनुपालन करेंगे तथा समाज में आपको पूर्ण यश प्राप्त होगा।

नवम् मास

15/05/2018 19:46:16 से 16/06/2018 02:28:22 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	08:16:46
सूर्य		वृष	कृतिका	00:35:30
चन्द्र		वृष	कृतिका	01:59:13
मंगल		मकर	उत्तराषाढ़ा	05:39:01
बुध		मेष	अश्विनी	09:08:21
गुरु	व	तुला	विशाखा	23:24:47
शुक्र		मिथुन	मृगशिरा	01:09:04
शनि	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	14:26:29
राहु	व	कर्क	पुष्य	14:43:22
केतु	व	मकर	श्रवण	14:43:22
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	21:09:41

मासाधिपति

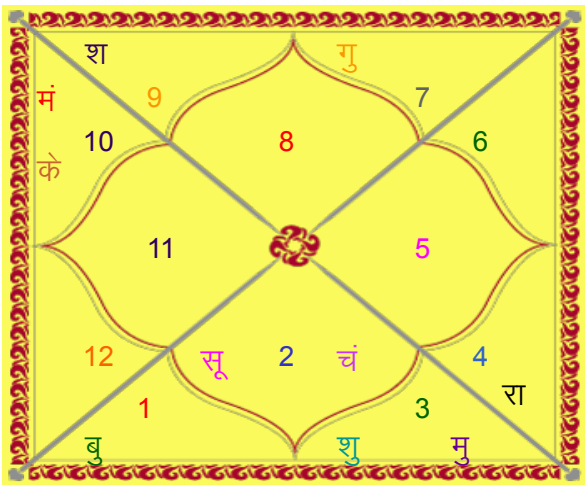

मासाधिपति : मंगल

यह महीना आपके लिए अशुभ फल अधिक मात्रा में प्रदान करेगा तथा शुभ फल अल्प मात्रा में ही घटित होंगे। इस समय शत्रु पक्ष से आप चिंतित एवं भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए वे कई अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे।साथ ही इस मास में आपके घर में चोरी आदि भी हो सकती है तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में विघ्न बाधाएं आती रहेंगी। इस समय आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहेगी एवं धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा एवं देवता तथा ब्राहमणों के प्रति उपेक्षा का भाव रखेंगे। इसके अतिरिक्त आपका स्वास्थ्य खराब रहेगा एवं शरीर में दुर्बलता भी विद्यमान रहेगी तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्ट प्राप्त कर सकते है। इस समय दूर समीप की कोई यात्रा भी कर सकते है। साथ ही सांसारिक कार्यो से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी व्ययाधिक्य की संभावना रहेगी। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। अतः स्त्री से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा एवं अपनी बुद्धिमता से आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म का भी आप अनुपालन करेंगे एवं समाज में यथोचित सम्मान भी प्राप्त होगा।

दशम् मास

16/06/2018 02:28:22 से 17/07/2018 13:20:54 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	अश्विनी	03:46:22
सूर्य		मिथुन	मृगशिरा	00:35:30
चन्द्र		मिथुन	पुनर्वसु	29:26:49
मंगल		मकर	श्रवण	14:22:18
बुध		मिथुन	आर्द्रा	12:10:37
गुरु	व	तुला	विशाखा	20:08:53
शुक्र		कर्क	पुष्य	08:10:36
शनि	व	धनु	मूल	12:35:42
राहु	व	कर्क	पुष्य	12:22:59
केतु	व	मकर	श्रवण	12:22:59
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	23:39:41

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

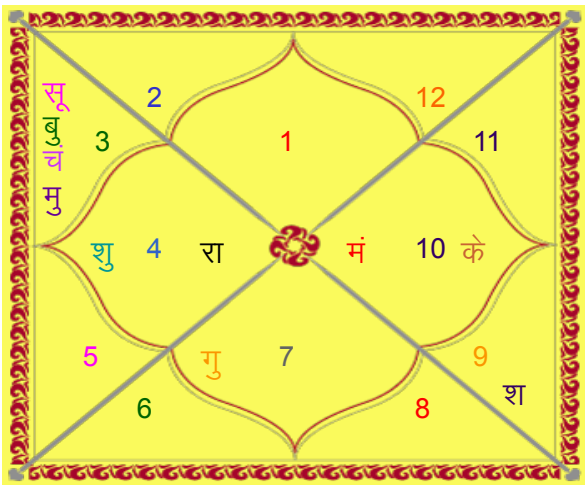

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे ।साथ ही समाज में सभी लोग आपको हार्दिक सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। साथ ही दूसरे लोगों की भलाई के लिए भी कार्य करने में तत्पर रहेंगे। शारीरिक रूप से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इससे समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस मास में बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उन्हें इच्छित सहयोग प्रदान करेंगे। इसके अतिरिक्त अपने संकल्पों तथा मानसिक विचारों को मूर्त रूप देने में भी आप सफल सिद्ध होंगे जिससे मानसिक रूप से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी अर्जित करेंगे । जिससे यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फल दायक रहेगा।

एकादश मास

17/07/2018 13:20:54 से 17/08/2018 21:37:37 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	स्वाति	07:55:45
सूर्य		कर्क	पुनर्वसु	00:35:33
चन्द्र		सिंह	उ०फाल्गुनी	28:57:48
मंगल	व	मकर	श्रवण	12:34:48
बुध		कर्क	आश्लेषा	26:16:24
गुरु		तुला	स्वाति	19:17:53
शुक्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	13:54:18
शनि	व	धनु	मूल	10:20:00
राहु		कर्क	पुष्य	11:48:17
केतु		मकर	श्रवण	11:48:17
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	26:09:41

मासाधिपति

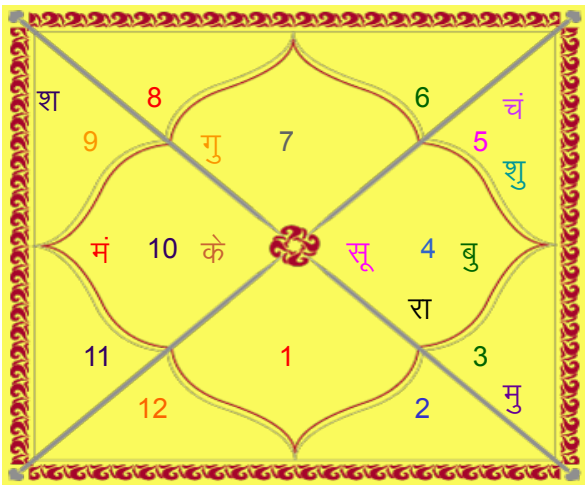

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्यशाली सिद्ध होगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जित करने में सफल रहेंगे तथा आर्थिक रूप से पूर्ण सम्पन्न रहेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथासमय सिद्ध करने में सफल रहेंगे।इस मास में आप अपने घर में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकते है।इस समय संतति पक्ष से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे।साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आपके यश तथा प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। इस समय आपके भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। साथ ही आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा लाभदायक यात्रा का भी योग बनेगा। अपने बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं एक दूसरे से वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे। इस प्रकार समाज में सर्वत्र सम्माननीय तथा आदरणीय समझे जाएंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा अपने बुद्धिचातुर्य से धन एवं सुख साधनों को प्राप्त करने में भी समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में श्रद्धा का प्रदर्शन करते हुए आप एक प्रतिष्ठित व्यक्ति के रूप में सम्मान अर्जित कर सकेंगे।

द्वादश मास

17/08/2018 21:37:37 से 17/09/2018 21:20:12 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	रेवती	19:44:44
सूर्य		सिंह	मघा	00:35:33
चन्द्र		तुला	विशाखा	22:55:13
मंगल	व	मकर	उत्तराषाढ़ा	05:09:27
बुध	व	कर्क	आश्लेषा	17:33:15
गुरु		तुला	विशाखा	21:18:38
शुक्र		कन्या	हस्त	16:30:00
शनि	व	धनु	मूल	08:44:25
राहु	व	कर्क	पुष्य	11:38:26
केतु	व	मकर	श्रवण	11:38:26
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	28:39:41

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

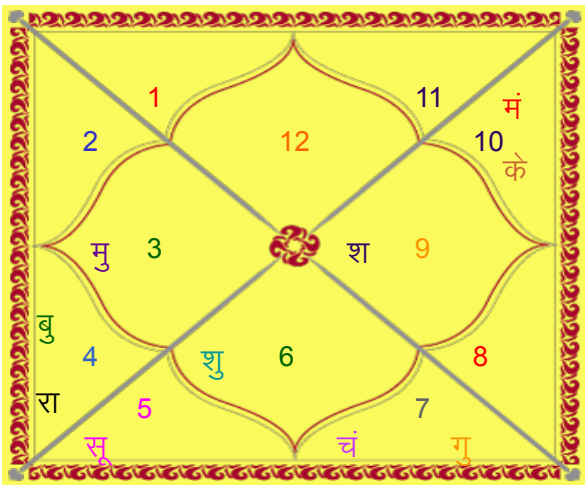

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक होंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रु भी आपसे अधिक बलवान होंगे अतः उनकी ओर से आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में आपके व्यापार आदि कार्यो में मन्दी रहेगी तथा नौकरी आदि में भी अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी। साथ ही आप किसी कार्य को परिवर्तन कर सकते है या कोई कार्य छूट भी सकता है। समाज में दूसरे लोगों के साथ आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर वैमनस्य का भाव रहेगा जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता परिलक्षित होगी। इसके अतिरिक्त आपके इस मास में धन हानि के योग बनेंगे तथा शरीर किसी नवीन रोग से पीड़ित हो सकता है। अतः अपने समस्त सांसारिक कार्यो को सोच समझ कर सम्पन्न करें।

साथ ही इस मास में आप शुभ फल भी अवश्य प्राप्त करेंगे। इस समय स्त्री तथा पुत्र से आप सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगी तथा अपनी बुद्धिमता से धनार्जन करने में सफलता प्राप्त करेंगे। साथ ही धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा रहेगी तथा आपके इन विचारों से समाज से आप वांछित सम्मान तथा सहयोग प्राप्त कर सकेंगे।